

पत्रावली संख्या : 247515/57 (IX)/2008
ई-पत्रावली संख्या-35277

प्रेषक,

सचिन कुर्वे,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण,

देहरादून।

नागरिक उड्डयन अनुभाग

देहरादून: दिनांक 16 अक्टूबर, 2024

विषय: पन्तनगर हवाई अड्डे के विस्तारीकरण हेतु एन0एच0-87 के अन्तर्गत 7 किमी संरेखण (Realignment) हेतु डी0पी0आर0 कंसलटेंट हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी ऊधमसिंहनगर के पत्र संख्या-10964/भूलेख अनु0/II/VIII(118/3)/2019-20 दिनांक 02 अगस्त, 2024 के साथ संलग्न प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पत्र दिनांक 22.07.2024 द्वारा पन्तनगर हवाई अड्डे के विस्तारीकरण हेतु एन0एच0-87 के अन्तर्गत रामपुर-काठगोदाम तक 43.446 किमी से 93.226 किमी, चार लेन कार्य एवं एन0एच0-87 के अन्तर्गत 54+500 से 61+300 किमी अर्थात् 7 किमी का संरेखण (Realignment) हेतु डी0पी0आर0 तैयार किये जाने के लिए डी0पी0आर0 कंसलटेंट की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में रू0 24,92,067 लाख स्वीकृत किये जाने का अनुरोध किया गया है, साथ ही अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूकाडा द्वारा अपने पत्र संख्या-2076/यूकाडा/प्रशासन/रामपुर/काठगोदाम /दिनांक 06 सितम्बर, 2024 द्वारा तात्कालिकता के दृष्टिगत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बैंक खाता संख्या-2543201000769 IFSC CODE- CNRB0002543 में जमा कर दिया गया है, से भी अवगत कराया गया है।

2- अतः उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पन्तनगर हवाई अड्डे के विस्तारीकरण हेतु एन0एच0-87 के अन्तर्गत 7 किमी संरेखण (Realignment) हेतु डी0पी0आर0 कंसलटेंट हेतु वित्तीय स्वीकृति निम्नांकित प्राविधानों एवं अधिप्राप्ति नियमावली में दिये गये सेवा शर्तों के अनुक्रम में डी0पी0आर0 कंसलटेंट हेतु रू0 24,92,067 लाख (रू0 चौबीस लाख, बयानवे हजार, सडसठ मात्र) की कार्योत्तर स्वीकृति के साथ-साथ प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर प्रदिष्ट किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि इस शर्त के साथ आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है कि कार्य योजना हेतु अनुबंधित कार्यदायी संस्था को उनके साथ हुए अनुबन्ध/एम0ओ0यू0 हेतु भुगतान की निहित शर्तों के अनुसार कार्य की भौतिक प्रगति, उच्च गुणवत्ता एवं सन्तोषजनक कार्य की पुष्टि के पश्चात् ही आवश्यकतानुसार भुगतान किया जायेगा।

2. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय करते समय इनके कार्यों की स्वीकृति के सम्बन्ध में राज्य योजनान्तर्गत निर्गत शासनादेश में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 द्वारा निर्धारित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
4. स्वीकृत धनराशि के व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा।
5. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-2047/XIV-219(2006)/दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
6. स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में शासन की पुर्वानुमति के बिना अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।
7. कार्य हेतु अनुमोदित आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के सापेक्ष जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
8. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत मदवार धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष निर्माण कार्य, लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
9. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय तथा आंगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. कार्य की प्रगति का निरन्तर व गहन समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश सं० 475-XXVII(7)/2008 से दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
11. स्वीकृत धनराशि का व्यय करने, कार्य पूर्ण होने पर भौतिक प्रगति, निर्माण कार्य एवं अधिप्राप्ति से सम्बन्धित/उपकरणों के फोटो ग्राफ्स शासन को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक होगा।
12. स्वीकृत/आवंटित की जा रही धनराशि के संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमिता/दुरुपयोग/दोहरीकरण (Duplicacy) कार्य की निम्न गुणवत्ता एवं निर्धारित मानक एवं डिजाईन के विपरीत निर्माण कार्य पाये जाने पर संबंधित आहरण वितरण अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था पूर्णतः उत्तरदायी होंगे।
13. धनराशि का व्यय किये जाने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फांट कर उसकी प्रति शासन को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

14. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
15. अवमुक्त की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार मासिक रूप से आहरण किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में आवंटित धनराशि से अधिक किसी दशा में व्यय न किया जाए और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
16. बजट नियंत्रक अधिकारी/विभागाध्यक्ष द्वारा बी0एम0-10 प्रारूप में बजट नियंत्रक पंजी में उनके स्तर पर उपलब्ध बजट तथा उनके स्तर से अधीनस्थ अधिकारियों को आवंटित बजट का विवरण रखा जायेगा। इस संबंध में सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रक अधिकारी, जिनके नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागार में परिचालित हों, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन धनराशियां जारी की जाय, अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
17. प्रशासनिक/बजट नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में बजट प्राविधान, अवमुक्त धनराशि तथा व्यय धनराशि का नियमित लेखा जोखा रखा जाय एवं मासिक आधार पर इसका महालेखाकार, उत्तराखण्ड के स्तर पर मिलान करते हुए मिलान का प्रमाणित विवरण वित्त विभाग, बजट निदेशालय तथा नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन को भी प्रेषित किया जाय।
18. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक-3053-नागर विमानन-02-विमान पत्तन-102-हवाई अड्डा-09-उ0ना0उ0वि0प्रा0-10-राज्य सरकार द्वारा उडान योजना के तहत अनुदान-56-सहायक अनुदान (सामान्य गैर वेतन) के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
19. यह आदेश वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के कम्प्यूटर जेनरेटेड पत्रांक संख्या-244864/57(IX)/2008 दिनांक 08.10.2024 के क्रम में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

Signed by

Sachin Sharad C Kurve

Date: 16-10-2024 16:00:40

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (ए एण्ड ई) गढ़ी कैण्ट, देहरादून।
3. सचिव, वित्त अनुभाग-1/2 उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, नागरिक उड्डयन निदेशालय, जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।
5. जिलाधिकारी, ऊधमसिंहनगर।
6. वित्त नियंत्रक, यूकाडा/राजकीय नागरिक उड्डयन जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।
7. मुख्य कोषाधिकारी, 23 लक्ष्मी रोड, डाटा सेन्टर, देहरादून।
8. कोषाधिकारी, ऊधमसिंहनगर।

10. एनआईसी सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

Signed by

Pradeep Kumar Joshi (प्रदीप जोशी)

Date: 16-10-2024 18:00:52 सचिव।